दो दिवसीय कार्यशाला व किसान मेला

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 6 मार्च एवं 7 मार्च, 2013 को "उद्योगों के लिए काष्ठ की सतत् आपूर्ति में किसाने की भूमिका" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला व किसान मेले का वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा आयोजन पंजाब कृषि विश्व विद्यालय लुधियाना के प्रागंण में किया गया।

यह किसान मेला बुड टैक्नोलोजिस्ट एसोशिएसन, नार्दन इंडिया प्लाई वुड मैन्यूफैक्चरिंग एसोशिएसन, पंजाब कृषि विश्व विद्यालय लुधियाना एवं पंजाब वन विभाग के सहयोग से किया गया।

इस कार्यषाला का उद्देष्य विभिन्न जगहों से आए पंजाब के सभी किसान भाई व बहनों, गैर सरकारी संगठन, स्वयं सेवी समूहों के सदस्यों को कृषि वानिकी वर्धन तथा काष्ठ आधारित उद्योगो के प्रतिनिधियों के साथ विचार विर्मष करना था एवं कृषि वानिकी से संबंधित संपूर्ण जानकारी देना था।

कार्यषाला व मेले का उद्घाटन श्री सुरजीत कुमार जयानी माननीय वन एवम् श्रम मंत्री द्वारा किया गया इस अवसर पर उन्होने मेले में सर्वप्रथम मेला–प्रदर्षनी का अवलोकन किया। उन्होने अपने भाषण में किसानों के लिए उचित वन एवम् कृषि नीति की आवष्यकता बताई तथा कहा कि किसानो को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिलना चाहिएं संस्थान के निदेषक डा0 पी. पी. भौजवेद ने अपने स्वागत भाषण मे कृषि वानिकी वर्धन की आवष्यकता पर जोर दिया। पंजाब कृषि विष्व विद्यालय के उपकुलपति डां0 बलदेव सिंह, ढिल्लों ने भी कृषि वानिकी अपनाने के लिए किसानो का आहवान किया तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के बारे में भी अपने विचार रखे।

पंजाब के प्रधान मुख्य वन संरक्षक, डा0 एच.एस. गुजराल ने वताया कि कृषि वानिकी के माध्यम से वनो के वाहर भी वन क्षेत्रफल को बढ़ाया जा सकता है इससे आधुनिक कृषि वानिकी को अपनाकर काष्ठ गुणवत्ता तथा उत्पादन दोनो को बढ़ाया जा सकता है। उन्होने यह भी कहा कि हमारे पास कृषि वानिकी प्रजातियों के पौध हर समय उचित मात्रा में उपलब्ध है। ग्रीन पंजाब मिषन के तहत वनआच्छादित क्षेत्र बढ़ाने हेतु, भारी मात्रा में कृषि वानिकी पौध की नर्सरी तैयार की गई है।

इस अवसर पर काष्ठ आधारित औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों डां0 एस.सी.जौली तथा श्री नरेष तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यषाला तथा मेले के तकनीकी सत्र में वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून तथा पंजाब कृषि विष्व विद्यालय लुधियाना के विषय विषेषज्ञों द्वारा कृषि वानिकी के विभिन्न पहलुओं तथा लकड़ी के प्रसंसकरण व उपयोगिता पर प्रकाष डाला गया।

इस कार्यशाला के दौरान किसान भाई व बहनों, गैर सरकारी संगठनो तथा स्वयं सेवी समूहों को वन अनुसंधान संस्थान देहरादून, पंजाब कृषि विश्व विद्यालय, एवं पंजाब वन विभाग द्वारा विकसित तकनीक तथा पेड़ पौधों को उगाने से लेकर कीट व बीमारियों एवं उच्च क्वालिटी के काष्ठ उत्पादन से संबधित विभिन्न जानकारियाँ प्रदान की गई। इस कार्यशाला के तकनीकी सत्र में वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा अपने–अपने व्याख्यान के माध्यम से विभिन्न जानकारियाँ प्रदान की गईं।

इस कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा सूक्ष्म से सूक्ष्म जानकारियाँ कृषि वानिकी, काष्ठ उत्पादन, उच्च क्वालिटी क्लोन उत्पादन, भंडारण, काष्ठ के विपणन आदि से संबधित जानकारियाँ अपने–अपने लगभग 10 स्टॉल लगाकर किसान भाईयों को प्रदान की गई।

विषेष आकर्षण इस किसान मेले में एक प्रश्नोत्तर काल था जिसमें प्रमुख काष्ठ प्रजातियां, कृषि फसलों व पेड़ों, कीट एवं बीमारियों तथा अन्य जानकारियों से संबधित प्रश्न किसानों से पूंछे गए व सही उत्तर देने पर किसानों को पुरस्कृत किया गया।

डां0 पी.पी. भोजवैद, निदेषक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा माननीय मंत्री, वन एवं श्रम, श्री सुरजीत कुमार जयानी, पंजाब सरकार का स्वागत

माननीय मंत्री जी द्वारा प्रदर्षनी का उद्घाटन

माननीय मंत्री जी द्वारा प्रदर्षनी का अवलोकन

माननीय मंत्री जी तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा प्रदर्षनी का अवलोकन

दो दिवसीय कार्यषाला का षुभारम्भ

दीप प्रज्जवलन

निदेषक, वन अनुंसंधान संस्थान माननीय मंत्री जी का अभिवादन करते हुए

निदेषक, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा स्वागत भा''ाण

उपस्थित किसान तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति

माननीय मंत्री जी द्वारा पुस्तिका का विमोचन

डां0 बलदेव सिंह ढिल्लो, उपकुलपति, पंजाब कृषि विष्वविद्यालय, लुधियाना का संबोधन

श्री. एच.एस. गुजराल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, पंजाब वन विभाग का संबोधन

श्री सुरजीत कुमार जयानी, माननीय मंत्री जी द्वारा सभा का संबोधन एवं विधिवत उद्धाटन

तकनीकी कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए डां0 अवतार सिंह, निदेषक, वानिकी, पंजाब कृषि विष्व विद्यालय

डां0 आर.के. लूना, मुख्य वन संरक्षक (षोध) को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए श्रीमती जयश्री आरड़े, प्रमुख, विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

किसानों के लिए प्रष्नोत्तर प्रतियोगिता

किसान को पुरस्कृत करते हुए डां0 एस. पी. सिह, उपमहानिदेषक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं षिक्षा परिषद्, देहरादून

किसान मेले से जुड़ें वन अनुसंधान संस्थान के एवं पंजाब कृषि विष्वविद्यालय सभी अधिकारी, वैज्ञानिक व कर्मचारीगण